प्लासी का युद्ध (23 जून 1757)

1. स्थान → प्लासी, नादिया, पश्चिम बंगाल (भागीरथी नदी)
2. पक्ष → राबर्ट म्लाइव (BEIC) बनाम सिराजुद्दौला
   - 3000 सेना → 50,000 सैनिक
   - आयर कूट → मीर मदान
   - चार्ल्स ग्रांट → मोहनलाल
   - किलपैट्रिक → सेंट फ्रैस
- युद्धरत पक्ष
   - ग्रेट ब्रिटेन
      - ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी
   - बंगाली गद्दार
   - बंगाल राज्य
   - फ्रांस
      - फ्रांसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी

कमांडर एवं नेता

ग्रेट ब्रिटेन पक्ष:

1. रॉबर्ट क्लाइव	2. मेजर किलपैट्रिक	3. मेजर ग्रांट
4. मेजर आयर कूट	5. मीर जाफर	6. मीर मीरान
7. यार लुत्फ खान	8. राय दुर्लभ	9. राजा राजबल्लभ
10. राजा कृष्णचंद्र राय	11. जगत सेठ मेहताब चंद	
12. ओमीचंद		

बंगाल/फ्रांसीसी पक्ष:

1. सिराज-उद-दौला	2. दीवान मोहनलाल
3. मीर मदन	4. सेंट फ्रेज़

4. परिणाम:-

- सिराज की मृत्यु (मीर जाफर के पुत्र मीरन के आदेश पर मुहम्मद बेग / लाल खां द्वारा हत्या)
- सिराज की बेगम का नाम : लुत्फुन्निसा (उर्दू कवयित्री)

- प्रभाव
   - **मीर जाफर**: बंगाल का नबाव
   - अंग्रेजो को 24 परगना की जागीर
   - दुर्गीकरण : ढाका + कलकत्ता + कासिम बाजार

मीर जाफर (2 जुलाई 1757 से 1760)

1. बंगाल की प्रथम क्रांति व प्रथम कठपुतली नबाव
2. अंग्रेजो को 24 परगना की जमींदारी
3. क्षतिपूर्ति → 1.77 (करोड)
   - कर्नाटक व बेदरा युद्ध
   - लागत पूंजी (धन निष्कासन)
   - चीन व्यापार

कर्नल मेल्सन: 'जितना हो सके हड़प लो, मीरजाफर को सोने की एक बोरी के रूप में इस्तेमाल करो।'

4. क्लाइव व अन्य अधिकारियों को उपहार
   - क्लाइव – 2.34 लाख पाउंड
   - मीर जाफर - क्लाइव का गीदड़
   - बंगाल की लूट
5. कलकत्ता में कंपनी की टकसाल
6. **रॉबर्ट क्लाइव** ने मुगल बादशाह आलमगीर के पुत्र, **अली गौहर (शाह आलम II)** को हराया
   - क्लाइव को 6000 का मनसब तथा "उमरा" की उपाधि
7. मीर कासिम तथा गवर्नर 'वेन्सिटार्ट:-
   - मिदनापुर, बर्दवान व चटगांव की जिम्मेदारी कंपनी को देनी होगी
   - दक्षिण भारत की लड़ाईयों हेतु 5 लाख मदद कासिम देगा
- मीर जाफर → मीर कासिम
   - वेंसीटार्ट : बंगाल की दूसरी क्रांति

मीर कासिम: 1760-1703

1. राजधानी : मुर्शिदाबाद से मुंगेर
2. गुर्गिन खाँ (आर्मेनियन) के नियंत्रण में सेना को यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित किया
   - जर्मन वाल्टर रेनहार्ट (समरू)
3. मुंगेर में तोप निर्माण हेतु कारखाना
4. मार्च, 1763 : सभी प्रकार के आन्तरिक व्यापार को चुंगी मुक्त कर
5. जुलाई, 1763 : मीर कासिम को बर्खास्त कर मीरजाफर को दुबारा।
6. 1763 ई. में पटना में हुए हत्याकाण्ड में मीरकासिम ने बहुत से अंग्रेजों (148 अंग्रेज) को मार दिया।

बक्सर का युद्ध (22-23 अक्टूबर 1764)

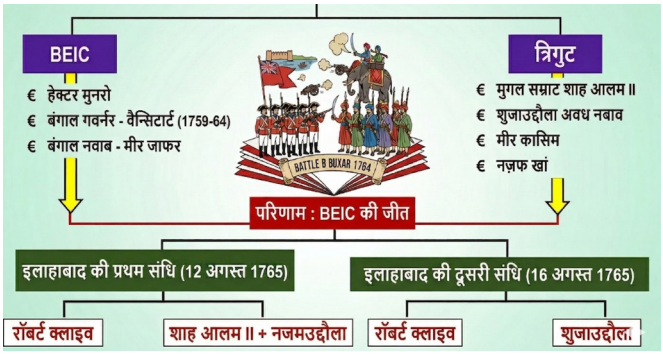

इलाहबाद की प्रथम संधि (12 अगस्त 1765)

रॉबर्ट क्लाइव + शाह आलम + नजमउद्दौला

1. मुगल बादशाह से बंगाल, बिहार व उड़ीसा की दीवानी।
2. शाह आलम से उत्तरी सरकार की जागीर
3. शाह आलम -II को 26 लाख वार्षिक पेंशन
4. अवध के नवाब से कड़ा व इलाहबाद लेकर शाहआलम-II को दिये

इलाहबाद की द्वितीय संधि (16 अगस्त 1765)

रॉबर्ट क्लाइव + शुजाउद्दौला

1. अवध में कंपनी को निःशुल्क व्यापार
2. अवध में नवाब के व्यय पर ब्रिटिश सेना
3. नवाब कंपनी की आर्थिक व सैन्य मदद करेगा।
4. कंपनी के शत्रुओं को अवध में शरण नहीं
5. युद्ध क्षतिपूर्ति : 50 लाख
6. कड़ा व इलाहबाद : शाह आलम को
7. चुनार पर अंग्रेजों का आधिपत्य
8. गाजीपुर व बनारस की जागीर पुनः बलवंत सिंह को लौटाई गयी।

बंगाल में द्वैध शासन

बंगाल के गवर्नर

- रोजर ड्रेक (1752-56) : फोर्ट विलियम अध्यक्ष
  - क्लाइव (1758-60)
  - वैन्सिटार्ट (1765)
  - क्लाइव (1765-1767)
  - वेरेलेस्ट (1767-1769)
  - कर्टियर (1769-1772)
  - वारेन हेस्टिंग्स
  - क्लाइव (1758-60) → बंगाल का प्रथम गवर्नर → क्लाइव (1765-67)

राबर्ट क्लाइव (1758-1760)

1. 1742 → BEIC का लिपिक
2. 1757 → प्लासी में नेतृत्व
3. 1758 → बंगाल का प्रथम गवर्नर
4. मुख्य कार्य व घटनाएं :-स्वर्ग से उत्पन्न सेनानायक
   - कर्मचारियों हेतु अनुबंधित सेवा: धन एवं उपहार स्वीकार्य नहीं हैं।
   - क्लाइव फंड
   - व्यापार समिति (1765): नमक, सुपारी एवं तंबाकू का व्यापार
   - श्वेत विद्रोह (1766) - फ्लेचर के नेतृत्व में सैन्य अधिकारियो का विद्रोह
   - 1773 में महाभियोग
   - श्वेत विद्रोह (1766) - फ्लेचर के नेतृत्व में सैन्य अधिकारियों का विद्रोह
5. मृत्यु → 1774 में आत्महत्या

मैसूर में विस्तार

- मैसूर (1399-1949)
- संस्थापक: आदि यदुराय (1399–1423)
  - विजयनगर साम्राज्य (1399-1565)
  - स्वतंत्र (1565-1799)
    - राजधानी : श्रीरंगपट्टनम (1610 में राजा वाडियार प्रथम)
    - वाडियार प्रथम द्वारा प्रधानमंत्री (दलवेये) का पद
    - चिक्का देवराज द्वारा 18 विभाग (चावड़ी)
  - ब्रिटिश (1799-1947)

पृष्ठभूमि

तालिकोटा का युद्ध : 23 जनवरी 1565

- 1734 में राजा इम्मादि कृष्णराज वोडियार II

1. दलवेये/दैवे (प्रधानमंत्री)
   - नंदराज
     - हैदर अली को डिंडिगुल का फौजदार (1955)
     - 1761 में शासक
     - 1766 में सुल्तान
2. सेनापति
   - देवराज
     - नंदराज
     - देवराज

हैदर अली (1761-1782)

- प्रथम आंग्ल मैसूर युद्ध
- द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध

1. **सलाहकार:** ब्राह्मण कृष्णराव व पूर्णिया
2. **धार्मिक सहिष्णुता:**
   - मैसूर के **चामुण्डेश्वरी मन्दिर** में दान
   - **श्रृंगेरी के शंकराचार्य** से पत्राचार
   - गो-वध पर सजा
   - दशहरा जैसे त्योहार मनाना
   - हिन्दू मंत्री नियुक्त
   - सिक्कों पर शिव व विष्णु का अंकन
3. **सैन्य सुधार:**
   - यूरोपीयन पद्धति से सैन्य प्रशिक्षण
   - डिंडीगुल में आधुनिक शस्त्रागार का निर्माण शस्त्रागार

टीपू सुल्तान के सुधार (1782-99)

- द्वितीय आंग्ल मैसूर युद्ध
- तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध
- चतुर्थ आंग्ल मैसूर युद्ध

1. **आर्थिक सुधार: शेर-ए-मैसूर**
   - "मैसूर का बादशाह" उपाधि धारण की।
   - कैलेंडर, सिक्के और माप तोल
   - जागीर प्रथा उन्मूलन
     - पालीगारो की शक्तियों को सीमित किया
     - तृतीय युद्ध के बाद राजस्व में 30% वृद्धि
2. **धार्मिक सहिष्णुता: श्रृंगेरी मंदिर को दान**
   - देवी शारदा की मूर्ति की स्थापना
3. रॉकेट या मिसाइल तकनीक का युद्ध में प्रयोग
4. कूटनीति सुधार :- ब्रिटिश प्रतिकूल कूटनीति
   - फ्रांस तुर्की और अफगान में दूतमंडल भेज
   - 1794 फ्रेंच सहायता से श्रीरंगपट्टनम में स्वतंत्रता वृक्ष लगाया